ंमी झूठ नि बुल्दू

अरे...   छैच क्वी
अपणा बुबौ ...
छै छान... कै पर मौच
जु बतै दया...
कोच येकु बुब्बा SS
येकि ब्वे कोच ।

छैच क्वी गंगाजी पाणी धुयूं
जु बतैद्या... ...
यू... ... कैकि कोखि से
पैदा हुयूं ।

गिच्यु क्यो मडकाणू छै
आंखा क्यो घुरय्याणु छै
दि खुणूत इनु छै... ...
जन बुलिन्द खै देल्यु कच्ची ।

पर ब्यटटा... ...
मी भि अपणा बुबौ छौं
झूठता लगोलु ना SSS
ळगोलुत लगोलु सच्ची ।

तेरि ब्वेSच वा... ... ...
तु क्या मि क्या
सब्बि जणदी सब्बी पछ्यणदी
सब्यु थैच पत्ता SSSSS
कोच तेरी ब्वे
कोच त्यारू बुब्बा SSSS ।

जैकी खुचिलिम खिल्या
जैंकि माटिम हिटण सिखयां
तेरी तेरि क्या... ...

हम सब्युकि च वा ब्बै
देखी जै ... आज
आदिंच रोई...
वाच... ... गढवाल
बुब्बाच... ऊंचो हिवांल ।

बोल... ... ...

मिन झूठत नि ब्वाल ।।।

पाराशर गौड
कैनडा

सन 14... 1... 1974 को लिखी थी .

वसीयत

जब...
मै मरूंगा तो
मेरी लाश को
ना तो जलाये ना ही दफनाये
उस तो... ... ...
चौरहे पे लटकाये

ता कि... ... ...

आती जाती जनता उसे
देख सके पहिचान सके
देखने के बाद ये कहे ...
ये... ये तो... ...
हम मे से एक था
जो मर गया तर गया
अच्छा हुआ ।

लेकिन... ...

मुझे मरा घोषित न करे
और न किया जाय
भगोडा करार दे
हर राज्य मे मेरा नाम र्दज कराये

ताकि... ...

अगले आनेवाले चुनाउ मे
सिहासतदान... ...
मेरे नाम पर राजनीति कर सके
उन्हे... ... ...
किसी के मरने जीने से क्या
वो तो रोयेगे गिडगिडायेगे
ताकि... ...
सहनभुती के वोट पा सके ।

<u>कामना</u>

वो करूणा मई
वो ममता मई
वो श्रृष्टी के राचयरता
वो भाग्य बिधाते

कुछ ऐसा कर दे
ऐसा वर दे
सतांप धरा के हर दे ... वो...

नित नये सूरज उगे
नित नई प्रभाते हो
धरा के आंचल मे
फूटे नित नये अंकुर हो
दरिद्रता हटे हटा दे
मानव का तू उधर कर दे ... वो ...

असाहयो को मिले अभयदान
पीडितौ को सम्मान मिले
अत्याचारो पर लगे अंकुश
मानवता को संबल मिले
प्रेम का रस्स बंटे
कटुता मिटे मिटा दे ... ... वो...

हो उज्ज्वल कामनऐ
फलीभूत हो आशाये
भानु वेग अर वरूण का
वरदहस्त हो जीवन मस्त हो
चहु ओर खुशी हो
खुश हो खुशहाली भर दे... ... वो...